Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SYLLABUS UNDER AUTONOMY

THIRD YEAR T.Y.B.A. (हिंदी)

SEMESTER - V

Academic Year 2018-2019

Deccan Education Society's
FERGUSSON COLLEGE (AUTONOMOUS), PUNE 411004
Scheme of Course Structure (Faculty of Arts)
2018-2019
T. Y. B. A. - Hindi

Semester	Course Code	Title	Paper	Credits	Exam (I / E)	Marks
V	HIN3501	आत्मकथांश और लेखन	General	3	I & E	50 + 50
	HIN3502	आदिकाल से रीतिकाल तक	Special	4	I & E	50 + 50
	HIN3503	काव्यशास्त्र - I	Special	4	I & E	50 + 50
VI	HIN3601	नाटक और लेखन	General	3	I & E	50 + 50
	HIN3602	आधुनिक काल से 2000 ई. तक	Special	4	I & E	50 + 50
	HIN3603	काव्यशास्त्र - II	Special	4	I & E	50 + 50

T. Y. B. A. (HINDI) SEMESTER - V
HINDI PAPER (GENERAL - 3)
TITLE: आत्मकथांश और लेखन
PAPER CODE: HIN3501

[CREDITS - 3]

उद्देश्य:

1. छात्रों को आत्मकथा विधा से अवगत करना ।
2. छात्रों को आत्मकथा के माध्यम से साहित्यकारों की पृष्ठभूमि से परिचित करना ।
3. छात्रों को पारिभाषिक शब्द तथा संक्षिप्तियां के माध्यम से सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त की जानेवाली कार्यालयीन हिंदी से परिचित करना ।
4. छात्रों में अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने की कला को विकसित करना ।

	Title and Contents
Unit - I **(आत्मकथांश)**	1.1 मेरा जीवन - प्रेमचंद 1.2 क्या भूलूँ क्या याद करूं - हरिवंशराय बच्चन 1.3 टुकड़े-टुकड़े दास्तान - अमृतराय 1.4 शब्दकाया - सुनीता जैन 1.5 गुमशुदा दोस्त की तलाश - सुधा अरोड़ा 1.6 संतप्त - सूरजपाल चौहान 1.7 हम अनिकेतन - नरेश मेहता 1.8 मुक्त गगन में - विष्णु प्रभाकर
Unit - II **(लेखन)**	2.1 कार्यक्रम संयोजन कौशल का परिचिय: इसमें संकल्पना एवं स्वरूप, उद्देश, कर्याक्रम की प्र स्तावना, परिचय, स्वागत, सम्मान, सुत्रसंचालन, अभिमत, आभार ज्ञापन, कार्यक्रम पत्रिका आदि 2.2 पारिभाषिक शब्दावली: सूची संलग्न 2.3 अनुवाद लेखन: मराठी / अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद

References:

1. सृजन संदर्भ और मैं : आत्मकथांश - संपा. डॉ. पी. व्ही. कोटमे, डॉ. व्ही. एन. भालेराव
2. व्यावहारिक हिंदी और रचना - कृष्णकुमार गोस्वामी
3. सामान्य हिंदी - डॉ. केदार शर्मा, डॉ. महेंद्र मिश्रा
4. आत्मकथा साहित्य, सिधान्त और समीक्षा - डॉ. आनंद सिन्दल
5. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे

T. Y. B. A. (HINDI) SEMESTER - V
HINDI PAPER (SPECIAL - 3)
TITLE: आदिकाल से रीतिकाल तक
PAPER CODE: HIN3502

[CREDITS - 4]

उद्देश्य:

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास से अवगत करना ।
2. आदिकाल से लेकर रीतिकाल की साहित्य पृष्ठभूमि से अवगत करना ।
3. हिंदी की प्रथम रचना और प्रथम कवि की चर्चा करना ।
4. प्रत्येक काल की विशेषताओं की चर्चा करना ।
5. छात्रों को लेखक एवं कवियों का साहित्यिक परिचय देना ।

	Title and Contents	
Unit - I (आदिकाल)	1.1	आदिकाल की पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक परिस्थितियां ।
	1.2	आदिकालीन वीरगाथा तथा रासों साहित्य की प्रवृत्तियाँ ।
	1.3	आदिकालीन रचनाकारों का परिचय – चंदबरदाई, आमिर खुसरो ।
Unit - II (भक्तिकाल)	2.1	भक्तिकाल की पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक परिस्थितियां ।
	2.2	निर्गुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ - ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएँ ।
	2.3	सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ - कृष्णभक्ति और रामभक्ति शाखा की विशेषताएँ ।
	2.4	निम्नलिखित रचनाकारों का परिचय - कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई और रहीम ।
Unit - III (रीतिकाल)	3.1	रीतिकाल की पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ ।
	3.2	रीतिकाल का नामकरण ।
	3.3	रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ ।
	3.4	रीतिकालीन कवियों का परिचय - केशवदास, बिहारी, घनानंद ।

References:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन
4. भक्ति आंदोलन - डॉ. शिवकुमार
5. हिंदी साहित्य युग और प्र वृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार
6. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय

T. Y. B. A. (HINDI) SEMESTER - V
HINDI PAPER (SPECIAL - 4)
TITLE: काव्यशास्त्र - I
PAPER CODE: HIN3503

[CREDITS - 4]

उद्देश्य:

1. छात्रों को काव्य , साहित्य की परिभाषाओं द्वारा काव्य के स्वरूप के साथ काव्य हेतु तथा काव्य के प्रयोजनों का ज्ञान करना।
2. छात्रों को काव्य के तत्व से अवगत करना ।
3. छात्रों को अलंकर , छंदों के स्वरूप के साथ उनका सोदाहरण परिचय करना।
4. छात्रों को रस का स्वरूप , रस के अंगों एवं भेदों का परिचय देना।

	Title and Contents
Unit - I (परिभाषाएँ)	1.1 काव्य (साहित्य) का अर्थ, स्वरूप, काव्य की संस्कृत, हिंदी तथा अंग्रेजी की सर्वाधिक प्रचलित। 1.2 काव्य हेतु (कारण) और काव्य प्रयोजन (उद्देश्य) का सामान्य परिचय।
Unit - II (काव्य के तत्व)	2.1 काव्य के तत्व - भाव तत्व, बुद्धितत्व, कल्पना तत्व, शैली तत्व। 2.2 शब्दशक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना का सामन्य परिचय।
Unit - III (काव्य के भेद और अलंकर)	3.1 काव्य के भेद (प्रकार): प्रबंध काव्य - महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य, गीतिकाव्य। 3.2 अलंकार: (अ) अलंकर का स्वरूप, काव्य में अलंकार का महत्व। (आ) निम्नलिखित अलंकारों का परिचय: i. शब्दालंकार: अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति। ii. अर्थालंकार: उपमा, दृष्टांत, रूपक, उत्प्रेक्षा।

References:

1. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
2. काव्य के तत्व - आ. देवेंद्रनाथ वर्मा
3. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
4. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
5. भारतीय काव्य शास्त्र - डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SYLLABUS UNDER AUTONOMY

THIRD YEAR T.Y.B.A. (हिंदी)

SEMESTER - VI

Academic Year 2018-2019

T. Y. B. A. (HINDI) SEMESTER - VI
HINDI PAPER (GENERAL - 3)
TITLE: नाटक और लेखन
PAPER CODE: HIN3601

[CREDITS - 3]

उद्देश्य:

1. छात्रों को नाटक विधा से अवगत करना ।
2. नाटक के तत्व से अवगत करना ।
3. हिंदी नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना ।
4. छात्रों को टेलीविजन , फिल्म संवाद और पटकथा की संकल्पना से परिचित कराना ।
5. छात्रों को सरकारी पत्रलेखन की पद्दति से अवगत करना ।

	Title and Contents	
Unit - I (नाटक)	1.1	नाटक के तत्व
	1.2	कोणार्क - जगदीशचन्द्र माथुर
Unit - II (लेखन)	2.1	संक्षिप्तियाँ: सूची संलग्न
	2.2	टेलीविजन, फिल्म संवाद और पटकथा
	2.3	सरकारी पत्रलेखन - परिपत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना

References:

1. कोणार्क - जगदीशचन्द्र माथुर
2. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
3. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियाँ - डॉ. दमयंती श्रीवास्तव , राका प्रकाशन , इलाहाबाद
4. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. नरेंद्र मोहन , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
5. हिंदी नाटक उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

T. Y. B. A. (HINDI) SEMESTER - VI
HINDI PAPER (SPECIAL - 3)
TITLE: आधुनिक काल से 2000 ई. तक
PAPER CODE: HIN3602

[CREDITS - 4]

उद्देश्य:

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास से अवगत करना ।
2. आधुनिक काल से लेकर 2000 ई. तक के साहित्यिक पृष्ठभूमि से अवगत करना ।
3. आधुनिक काल के प्रथम खड़ीबोली के कवियों से अवगत करना ।
4. प्रत्येक काल की विशेषताओं की चर्चा करना ।
5. छात्रों को लेखक एवं कवियों का साहित्यिक परिचय देना ।

	Title and Contents
Unit - I (काव्य)	1.1 निम्नलिखित काव्यधाराओं का संक्षिप्त परिचय: भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग। 1.2 निम्नलिखित काव्यधाराओं की विशेषताओं का परिच य: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता , साठोत्तरी कविता, उत्तरशती की कविता। 1.3 निम्नलिखित कवियों का परिचय : मैथिलीशरण गुप्त , रामधारी सिंह दिनकर , सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', जयशंकर प्रसाद , महादेवी वर्मा , अज्ञेय, भवानीप्रसाद मिश्र , मुक्तिबोध, धूमिल, केदारनाथ सिंह।
Unit - II (गद्य)	2.1 निम्नलिखित गद्य विधाओं का विकासात्मक संक्षिप्त परिचय: 1. नाटक 2. उपन्यास 3. कहानी 4. निबंध 2.2 निम्नलिखित ग द्यकारों का परिचय : रामचंद्र शुक्ल , प्रेमचंद, जैनेंद्र कुमार , फनीश्वरनाथ रेणु , यशपाल, वृंदावनलाल वर्मा, भीष्म साहनी, जयप्रकाश कर्दम, मोहन राकेश , श्रीलाल शुक्ल , ममता कालिया।

References:

1. आधुनिक साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - मोहन अवस्थी
2. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ - डॉ. शशिभूषण सिंहल
3. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे
4. आधुनिक कविता का इ तिहास - डॉ. लक्ष्मीनारायण चातक
5. आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृतियाँ - डॉ. नगेंद्र
6. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य - विनयमोहन सिंह

T. Y. B. A. (HINDI) SEMESTER - VI
HINDI PAPER (SPECIAL - 4)
TITLE: काव्यशास्त्र - II
PAPER CODE: HIN3603

[CREDITS - 4]

उद्देश्य:

1. छात्रों को साहित्यिक विधाओं से अवगत करना ।
2. छात्रों को उपन्यास , कहानी, नाटक, निबंध, एकांकी के स्वरूप एवं तत्वों की जानकारी से परिचित करना ।
3. छात्रों को आलोचना का स्वरूप , आलोचना की उपयोगिता और आलोचकों के गुणों से परिचित कराना ।
4. छात्रों को रस का स्वरूप और रस के अंगों का परिचित करना ।

	Title and Contents
Unit - I **(गद्य के भेद)**	1.1 गद्य के भेद: उपन्यास**,** कहानी**,** निबंध**,** रेखाचित्र । (इन विधाओं का केवल तात्त्विक परिचिय तथा उपन्यास और कहानी की तुलना) 1.2 दृश्य काव्य **(**अ) नाटक की परिभाषा और तत्व: (भारतीय दृष्टि से तत्वों का स्थूल परिचय) **(**आ) माध्यम के आधार पर नाटक के भेद: रंगमंचीय नाटक, रेडियो नाटक, दूरदर्शन नाटक का सामान्य परिचय । **(**इ) काव्य नाटक / गीतिनाट्य: स्वरूप एवं तात्विक परिचय ।
Unit - II **(रस)**	2.1 (अ) रस की परिभाषा एवं स्वरूप । (आ) रस के अंग: स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव । (इ) रसों का सोदाहरण परिचय: श्रृंगार रस, करुण रस, वीर रस और हास्य रस ।
Unit - III **(आलोचना और छंद)**	3.1 आलोचना: स्वरूप, उद्देश्य एवं आवश्यकता तथा आलोचक के गुण । 3.2 छंद: (अ) काव्य में छंद का महत्व । (आ) वर्णिक और मात्रिक छंदों का स्वरूप । **(**इ) मात्रिक छंद: दोहा, सोरठा, रोला, चौपाई, बरवै । (ई) वर्णिक छंद: शिखरिणी, द्रुतविलंबित**,** भुजंगप्रयात, मनहरण, कवित्त, दुर्मिल सवैया ।

References:

1. भारतीय तथा पाश्चात काव्यशास्त्र - डॉ. विश्वंभरनाथ उपध्याय
2. समीक्षा शास्त्र के भारतीय मानदंड - डॉ. यतीन्द्र तिवारी
3. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
4. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त